वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 148 | सोमवार 25 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में तूफानी बारिश; आज भी 13 जिलों में अलर्ट: एक-दो दिन में मानसून की विदाई

हनुमानगढ़ जिले के फेफाना में 24 घंटे में 2.50 इंच से ज्यादा बरसात हुई। सड़कों-गलियों के साथ लोगों के घरों में भी पानी भर गया।

अजमेर जिले के किशनगढ़ कस्बे में पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में जर्जर दीवार भरभराकर गिर गई। इस दौरान पास खड़ी एक कार मलबे में दब गई।

जयपुर. कासं

राजस्थान के उत्तरी हिस्से में रविवार देर शाम तूफानी बारिश देखने को मिली। हनुमानगढ़ में कई जगहों पर 50KM स्पीड से हवा चली। तेज बरसात से कई जगह पानी भर गया। हनुमानगढ़ के अलावा गंगानगर, चूरू, बीकानेर में भी ऐसा ही मौसम रहा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आज भी 13 से अधिक जिलों में बरसात होने के आसार हैं। इसके बाद राज्य में मौसम साफ होने लगेगा। संभावना है कि जो परिस्थितियां बन रही हैं, उससे एक-दो दिन बाद मानसून की अब विदाई शुरू हो जाए। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो अलवर, बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, झुंझुनूं, बीकानेर और राजसमंद जिलों में कई जगह अच्छी बारिश हुई। हनुमानगढ़ के फेफाना में सबसे ज्यादा 68MM बरसात हुई जबकि जिले के पल्लू में 55MM पानी बरसा।

जयपुर में देर शाम तेज बारिश

राजधानी जयपुर में भी देर शाम करीब 7 बजे प्रताप नगर, सांगानेर एरिया में अच्छी बारिश हुई। सांगानेर में एक इंच से ज्यादा पानी गिरा। इससे पहले जयपुर में रविवार दोपहर तक आसमान में बादल छाए रहे और हल्की रुक-रुक कर बारिश होती रही। दोपहर बाद मौसम साफ हुआ और हल्की धूप निकली, लेकिन सूरज ढलने के बाद वापस आसमान बादलों से ढक गया और गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई।

आज से शुरू हो सकती है मानसून की विदाई

जयपुर मौसम केन्द्र से जारी फोरकास्ट के मुताबिक राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में अब हवाओं की दिशा बदलने लगी है। नॉर्थ-वेस्ट दिशा से हवा का बहाव शुरू हो गया, जो मानसून की विदाई की कंडिशन के लिए अनुकूल है। संभावना है कि आज से प्रदेश में मानसून की विदाई शुरू हो सकती है और राज्य के पश्चिम के कुछ हिस्से से मानसून जा सकता है।

बारिश का अलर्ट

मौसम केन्द्र जयपुर ने आज अलवर, बांसवाड़ा, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डूंगरपुर, जयपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, सीकर और उदयपुर जिले में कहीं-कहीं मेघगर्जना के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताते हुए इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। मानसून की अब तक की स्थिति के अनुसार राजस्थान में सामान्य से 14 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राजस्थान में 1 जून से 24 सितंबर तक औसत बारिश 430.6 MM होती है, जबकि इस सीजन में अब तक 491.6MM बारिश हो चुकी है। जिलेवार स्थिति देखें तो हनुमानगढ़, अलवर, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक ऐसे जिले हैं, जहां सामान्य से कम बारिश हुई है।

दस लक्षण महापर्व के अवसर पर जनकपुरी में मंचित हुआ नाटक "दर्शन प्रतिज्ञा"

संयम धर्म व सुगंध दशमी व्रत पूजा के बाद खेयी गई धूप

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में शनिवार को महिला मण्डल की सदस्याओं द्वारा देव दर्शन की प्रभावना को समझाते हुए आर्यिका विशेष मति माताजी के आशीर्वाद तथा संघस्थ ब्रह्म० सविता दीदी के निदेशन में नाटक दर्शन प्रतिज्ञा का सुंदर मंचन हुआ ।मण्डल अध्यक्षा शकुन्तला बिंदायक्यकने बताया की नाटक में पात्र युवती मनोवती द्वारा पात्र आर्यिका माताजी से नित्य देव दर्शन करने व मन्दिर में गज मोती समर्पित करने का नियम लिया ।शादी के बाद जिसके पालन में कई बाधाये आयी लेकिन नियम पालन में दृढ़ता एवम्धर्म में आस्था से इन सब का बहुत ही सुखद अन्त हुआ। दर्शकों ने दीदी के निदेशन में सभी पात्रों के, विशेष तौर पर दुल्हन बनी संचिता व दूल्हा बनी मीनाक्षी के संवाद अदायगी की सराहना की गई। कार्यक्रम चित्रअनावरण व दीप प्रज्वलन की मांगलिक क्रिया के साथ अतिथि सुरेंद्र पांड्या, अनिल जैन IPS, महावीर सोगानी, सुनील बज के मन्दिर प्रबंध समिति व युवा मंच के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत अभिनंदन से प्रारंभ हुआ जिसका संचालन छाया ठोलिया द्वारा किया गया। इधर दस लक्षण विधान मण्डल पर छटे दिन संयम धर्म की पूजा के बाद सुगंध दशमी व्रत पूजन भक्ति के साथ की गयीं सभी ने शाम को चंदन बूर की सुगंधित धूप भगवान को समर्पित कर सुगंध दशमी त्योंहार मनाया ।

जन्मदिन पर हार्दिक बधाईयां

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनिराज एवं मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के अनन्य भक्त, हसमुख व्यक्तित्व के धनी, समाज व मानव सेवा में अग्रणी, सरल स्वभावी, समाजसेवी, मिलनसार, गुरु भक्त परिवार के गौरव, किशनगढ निवासी परम गुरु भक्त, युवा गौरव हमारे परम आदरणीय

श्री पूनम जी पहाड़िया भैया

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

विनोद छाबड़ा जयपुर, यश जैन

दिगंबर जैन मंदिर खंडाकन सिद्धार्थनगर में भगवान महावीर का जन्म कल्याणक भव्यता के साथ मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर खंडाकन सिद्धार्थनगर में दस लक्षण पर्व पर भगवान महावीर के जन्म कल्याण पर आधारित भव्य नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक में राजवी, आशी के साथ साथ अनेक सहभागियों ने मिलकर माता की सेवा की और सोधर्म इंद्र ने बहुत ही धूमधाम से भगवान महावीर का जन्म कल्याण मनाया । इस अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति की ओर से नरेंद्र जैन बाकलीवाल पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

दशलक्षण पर्व पर दिगंबर श्रद्धालुओं ने धर्मध्वजा के साथ सुगंध दशमी मनाई

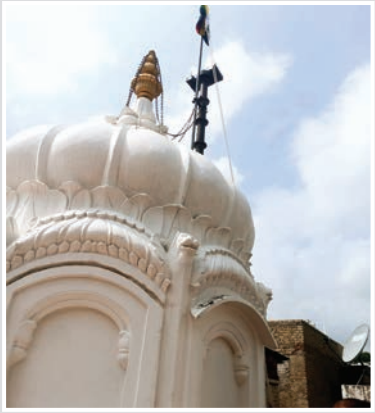

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दशलक्षण पर्व के अंतर्गत रविवार को जिनालय के शिखर वंदन कर धर्मध्वजा फहराकर श्रद्धालुओं ने सुगंधदशमी पर्व भव्यता पूर्वक मनाया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार रविवार को आदिनाथ मंदिर पर धर्मावलंबियों ने दशलक्षण पर्व के अंतर्गत आज छटवे दिन उत्तम संयम धर्म की विशेष पूजा अर्चना कर जिनालय शिखर पर पूर्ण विधिविधान से धर्म ध्वजा फहराई। सायंकाल बड़ी तादात में समाज अध्यक्ष सुशील काला के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने सुगंध दशमी के तहत श्री आदिनाथ मंदिर, शांतिनाथ चेत्यालय ओर श्वेतांबर मंदिर में अपने आठों कर्मो के विःशमन हेतु सामूहिक रूप से पूजन अर्चन के साथ धूप खेई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में आयोजित धर्म सभा में सुगंध दशमी कथा का वाचन प्रवीणा दीदी अग्रवाल द्वारा किया गया। वही प्रतिदिन रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम पूजा नितिन जैन एवम् सलोनी रक्षित पटवारी के सानिध्य में संपन्न हो रहे है जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन भाग लेकर धर्म लाभ ले रहे है।

दसलक्षण महापर्व (पर्यूषण) सातवाँ दिन 25 सितम्बर पर विशेष

इच्छाओं को जीतना ही तप है : मन की शुद्धि सिखाता है उत्तम तप धर्म

आज दसलक्षण महापर्व का सातवां दिन-उत्तम तप धर्म का है। कर्मों के क्षय के लिये जो तपा जाता है , उसे तप कहते हैं।'इच्छा निरोधः तपः' अर्थात इच्छाओं को रोकना या जीतना ही तप है। तप के सच्चे स्वरूप को समझकर अपनी इच्छाओं का निरोध कर अपने जीवन को सम्यक तप से सुशोभित करें जिस प्रकार अग्नि में तप कर सोने के सभी दोष नष्ट हो जाते हैं उसी प्रकार तपस्या से आत्मा के सभी कर्मों का नाश हो जाता है और वह अपने शुद्ध स्वरूप का अनुभव करने लगती है। बारस अणुवेक्खा ग्रंथ में तप का स्वरूप बताते हुये आचार्य कहते हैं- ''पाँचों इन्द्रियों के विषयों तथा चारों कषायों को रोककर शुभध्यान की प्राप्ति के लिये जो अपनी आत्मा का विचार करता है , उसके नियम से तप होता है।'' धवला जी में आचार्य वीरसेन स्वामी कहते हैं कि तिण्णं रयणाणमाविब्भावट्ठमिच्छाणिरोहो। अर्थात तीनों रत्नों को प्रगट करने के लिये इच्छाओं के निरोध को तप कहते हैं। मन की शुद्धि सिखाता है - उत्तम तप धर्म। मलीन वृत्तियों को दूर करने के लिए जो बल चाहिए, उसके लिए तपस्या करना।तप का मतलब सिर्फ उपवास, भोजन नहीं करना सिर्फ इतना ही नहीं है बल्कि तप का असली मतलब है कि इन सब क्रिया के साथ अपनी इच्छाओं और ख्वाहिशों को वश में रखना। तप का प्रयोजन है मन की शुद्धि ! मन की शुद्धि के बिना काया को तपाना या क्षीण करना व्यर्थ है। तप से ही आध्यात्म की यात्रा का ओंकार होता है। अपनी इच्छाओं को वश में रखना ही सबसे बड़ा तप है। जिन भावों से मोह-राग-द्वेष रूपी मैल और शुद्ध ज्ञान दर्शन मय आत्मा भिन्न-भिन्न हो जाये वही सच्चा तप है। एक मात्र तप ही वह कारण है जो कर्म रूपी शिखर को भेदने में समर्थ हैं। तप के भेद- अंतरंग और बहिरंग के भेद से तप के बारह भेद हैं। **अंतरंग तपः** प्रायश्चित, विनय , वैयावृत्य , स्वाध्याय, व्युत्सर्ग और ध्यान। **बहिरंग तपः** अनशन, अवमौदर्य, वृत्ति परिसंख्यान, रसपरित्याग, विविक्त शय्यासन, कायक्लेश।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

जैन दर्शन कहता है इच्छाएं आज तक कभी भी किसी की पूरी नहीं हुई ।जब तक हम इच्छाओं के दास हैं तब तक पूर्णता को प्राप्त नहीं कर सकते। सम्यक तप ही दोषों का परिमार्जन करता है, इसी से आचार की विशुद्धता और ज्ञान सम्यक होता है। परिणामों में निर्मलता आती है, संसार के दुखों से छुटकारा मिलता है। और सच्चे सुख की प्राप्ति होती है, तथा कालांतर में सिद्ध दशा की प्राप्ति में भी सम्यक तप ही कारणभूत है। पद्मपुराण में रविषेण स्वामी ने लिखा है- रावण ने जितना तप विद्या सिद्धि के लिए किया यदि उतना तप आत्म शुद्धि को करता तो उसी भव से मोक्ष चला जाता। देवता कितना भी चाहे पर तप नही कर सकते देवताओ को तपस्या तो वज्र के समान है 84लाख योनियों में यदि तप का फल किसी को प्राप्त होता है तो मनुष्य को ही होता बाकी पर्याय में नहीं। मात्र देह की क्रिया का नाम तप नहीं है अपितु आत्मा में उत्तरोत्तर लीनता ही वास्तविक ''निश्चय तप'' है। ये बाह्य तप तो उसके साथ होने से 'व्यवहार तप' नाम पा जाते हैं। दसलक्षण पूजन में लिखा है- अति महादुरलभ त्याग विषय, कषाय जो तप आदरें।

वेद ज्ञान

बंधन से परे

सृष्टि कतिपय नियमों से संचालित हो रही है। मनुष्य भी इसका अपवाद नहीं है। वह कितना भी शक्तिशाली और सामर्थ्यवान क्यों न हो जाए, स्वच्छंद नहीं हो सकता। उस पर सबसे बड़ा बंधन काल का है। जो संसार में आया है उसे अपने निश्चित समय पर जाना ही है। आज तक कोई भी मृत्यु को जीत कर अमर नहीं हो सका है। फिर भी विडंबना यह कि उसे सब कुछ याद रहता है, वर्तमान भी, भूत काल भी और भविष्य भी, किंतु सिर पर मंडराता हुआ काल नहीं याद रहता। काल कब उसे अपने पंजों में ले लेगा, यह पता नहीं। इससे बेफिक्र मनुष्य का व्यवहार ऐसा होता है, मानो उसे सदा के लिए यहीं रहना है। उसने धन, संपत्ति, सांसारिक पदार्थ आदि संग्रहीत करने की कोई सीमा नहीं तय की है। इससे समाज में बड़े संकट व्याप्त रहते हैं और जीवन विषम हो जाता है। मनुष्य स्वयं को काल का बंदी माने और परमात्मा को मुक्तिदाता तो संसार के प्रति आसक्ति और भ्रम टूटते हैं। मनुष्य का जीवन दो पहियों पर चल रहा है। एक पहिया जो स्वहितों को साथ लेकर चल रहा है, दूसरा परहित यानी परिवार और समाज के प्रति उसकी समझ को प्रेरित कर रहा है। जीवन से अनासक्ति का भाव उसे निरंतर आत्म चिंतन को विवश करता है और जीवन के वास्तविक लक्ष्य के प्रति सचेत करता रहता है। चौरासी लाख योनियों में भ्रमण करने के बाद उसे मनुष्य योनि मिली है तो इसका सदुपयोग करना है या व्यर्थ गंवा देना है। जब मन में यह चिंतन चलने लगे, सद्गुणों और सदाचरण का उजाला मन को स्वयं ही प्रकाशित करने लगता है, तब किसी गहन ज्ञान या विद्वता की आवश्यकता नहीं रह जाती। जीवन का पल-पल आत्म संयम से व्यतीत करने की प्रबल प्रेरणा जन्म लेने लगती है। एक बार इसका रस आ जाए तो समय कम लगने लगता है। वास्तव में किसी भी मनुष्य के पास जीवन में समय बहुत कम होता है। जन्मों-जन्मों की लगी पापों की मैल उतारने के लिए हर क्षण की चिंता आवश्यक है। जीवन की वास्तविकता समझ जाने के बाद अन्य के प्रति व्यवहार में पूर्वाग्रहों, द्वेष, वैर-विरोध के लिए कोई स्थान नहीं बचता और मनुष्य निर्विकार और निर्लिप्त हो जाता है। जब अगले पल का ही भरोसा नहीं, तब सांसारिक प्राप्तियों के लिए दिन-रात की भागदौड़ क्यों?

संपादकीय

अर्थव्यवस्था के लिए अब एक नई चिंता

किसी देश की अर्थव्यवस्था इस पैमाने पर भी आंकी जाती है कि उसकी घरेलू बचत, प्रति व्यक्ति आय और क्रयशक्ति की स्थिति क्या है। मगर हमारे यहां घरेलू बचत लगातार गिरावट की ओर है। मौजूदा वित्तवर्ष में यह पिछले पांच दशक में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्तवर्ष में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब पचपन फीसद की गिरावट आई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 फीसद पर पहुंच गई। गौरतलब है कि वित्तवर्ष 2020-21 में यह जीडीपी के 11.5 फीसद पर थी, जबकि महामारी से पहले 2019-20 में यह आंकड़ा 7.6 फीसद था। वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट पर सफाई देते हुए कहा है कि लोग अब आवास और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियों में अधिक निवेश कर रहे हैं। इसका असर घरेलू बचत पर पड़ा है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि संकट जैसी कोई बात नहीं है। सरकार ने यह भी कहा है कि पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 फीसद आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है। परिवारों के स्तर पर वित्तवर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध वित्तीय परिसंपत्ति जोड़ी गई थी। 2021-22 में लगभग सत्रह लाख करोड़ और वित्तवर्ष 2022-23 में 13.8 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्तियां बढ़ी हैं। इसका मतलब है कि लोगों ने एक साल पहले और उससे पहले के साल की तुलना में इस साल कम वित्तीय संपत्तियां जोड़ी हैं। सरकार के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वे अब कर्ज लेकर घर और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियां खरीद रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में आवास और वाहन ऋण में दोहरे अंक में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि महामारी के बाद से लोग काफी सचेत हुए हैं। वे जोखिम वाले निवेश से बच रहे हैं। दूसरी बात, बचत खातों पर ब्याज दर बहुत आकर्षक नहीं है। ऐसे में लोग प्रतिभूतियों आदि में ज्यादा निवेश कर रहे हैं। यह भी घरेलू बचत कम होने का एक कारण है। एसबीआइ के मुख्य आर्थिक सलाहकार का भी कहना है कि शायद ब्याज दरें कम होने का विपरीत प्रभाव घरेलू बचत पर पड़ा है। आम लोगों का रुझान भौतिक संपत्तियों की तरफ बढ़ा है। सरकार चाहे जो तर्क दे, पर घरेलू बचत का लगातार गिरना कोई अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। घरेलू बचत सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्त्वपूर्ण जरिया होती है। देश की कुल बचत में महत्त्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाली घरेलू बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात है। सरकार को मंदी के जोखिम से बचने के लिए राष्ट्रीय बचत दर को बेहतर रखना ही होगा। इसके पक्ष में अर्थशास्त्री स्पष्ट कहते हैं कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी का असर भारत पर इसलिए भी कम पड़ा था कि भारतीयों की घरेलू बचत मजबूत स्थिति में थी। देश में घरेलू बचत घटने से ऐसे लोगों का आर्थिक प्रबंधन भी चरमरा रहा है। जो शादी-ब्याह, सामाजिक रीति-रिवाज, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और त्योहारों आदि पर खर्च के लिए अपनी छोटी बचतों पर ही निर्भर होते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चीन का पुराना खेल

इन दिनों चीन के हांगझाउ शहर में एशियाई खेल चल रहे हैं। माना जाता है कि खेलों के आयोजन और साहित्य, कला, संस्कृति के आदान-प्रदान से देशों के बीच रिश्ते मजबूत होते हैं। मगर इन खेल प्रतिस्पर्धाओं के बीच चीन ने भारत के साथ अपना पुराना खेल खेलना शुरू कर दिया। अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली तीन भारतीय मार्शल खिलाड़ियों को उसने एशियाई खेलों में प्रवेश देने से मना कर दिया। इस पर भारत ने तुरंत कड़ी प्रतिक्रिया दी है। युवा मामले एवं खेल मंत्री ने अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी है, जो खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने वहां जा रहे थे। हालांकि इस घटना के पीछे एक तर्क यह दिया जा रहा है कि जिन तीन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है, वे अपना मान्यता कार्ड नहीं निकाल पाई थीं। दरअसल, वही मान्यता कार्ड उनके वीजा के रूप में काम करता है। चीन की एशियाई खेल आयोजन समिति ने उन्हें उसमें हिस्सा लेने की इजाजत दे दी थी। मगर यह तर्क किसी के गले नहीं उतरने वाला है। थोड़ा पीछे लौट कर देखें तो जुलाई महीने में चीन के चेंगदू में आयोजित विश्व विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा में इन्हीं तीन खिलाड़ियों को चीन ने नत्थी यानी स्टेपल वीजा जारी किया था। नत्थी वीजा देने का मतलब है कि चीन उन्हें भारत का नागरिक नहीं मानता। इससे नाराज होकर भारत ने उन तीनों खिलाड़ियों को हवाई अड्डे से वापस लौटा लिया था। अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन का नजरिया किसी से छिपा नहीं है। वह अरुणाचल को भारत का हिस्सा नहीं मानता, बल्कि दक्षिणी तिब्बत के रूप में मान्यता देता है। पिछले महीने ही उसने जो अपना आधिकारिक नक्शा जारी किया, उसमें अरुणाचल प्रदेश, ताइवान, अक्साई चिन और विवादित दक्षिण चीन सागर को अपने हिस्से में दिखाया था। हालांकि भारत ने उस नक्शे को खारिज कर दिया था, मगर चीन ने अब तक उसमें कोई बदलाव नहीं किया है। इससे पहले अप्रैल में उसने अरुणाचल की ग्यारह जगहों के नाम बदल दिए थे। इससे स्पष्ट है कि जिन तीन खिलाड़ियों को उसने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने से रोक दिया, उसके पीछे उसका यही नजरिया है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अंग रहा है और रहेगा। मगर इस प्रतिक्रिया का चीन पर कितना असर पड़ेगा, दावा नहीं किया जा सकता। जब अप्रैल में उसने अरुणाचल के ग्यारह स्थानों का नाम बदला था, तब भी भारत ने उसे उसकी पुरानी आदत कह कर नजरअंदाज करने की नसीहत दी थी। फिर नक्शे में बदलाव किया गया, तब भी ऐसी ही प्रतिक्रिया दी गई थी। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि चीन अरुणाचल, ताइवान आदि क्षेत्रों पर कब्जे का मौका तलाशता रहता है, मगर पिछले कुछ सालों में उसकी तरफ से किए गए प्रयासों के मद्देनजर अब इसे उसकी पुरानी आदत कह कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत वाले हिस्से में सड़क, पुल, छावनी वगैरह बनाने और गश्ती बिंदुओं पर कब्जा जमाने को लेकर समझौते के प्रयास जारी हैं। वह सीमा विवाद संबंधी बैठकों में हिस्सा लेकर उसे सुलझाने का भरोसा दिलाता तो दिखता है, मगर वास्तव में उसका इरादा अपने क्षेत्र के विस्तार का ही रहता है। हालांकि भारतीय सेना सीमाओं पर उसके अतिक्रमण की कोशिशों को नाकाम करती रही है, मगर जिस तरह अरुणाचल को लेकर उसकी हरकतें सामने आ रही हैं उसमें कड़े कूटनीतिक कदम उठाने की दरकार है।

महासमिती, मालवीय नगर संभाग द्वारा "सास बहू की कहानी-व्यंग एवं हास्य नाटिका" का मंचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

शाबाश इंडिया सेक्टर 3, शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,मालवीय नगर में दिगम्बर जैन महासमिती, मालवीय नगर संभाग इ ब्लॉक इकाई द्वारा आयोजित दस धर्मो पर आधारित ''सास बहू की कहानी-व्यंग एवं हास्य नाटिका'' का मंचन हुआ जिसका संयोजन सुमन पाटनी, संगीता लुहाड़िया, मंजू लुहाड़िया द्वारा किया गया साथ ही अष्ट ग्रह निवारक भक्तामर स्त्रोत के आठ काव्यों का नृत्य के साथ संगीतमय प्रस्तुति श्रीमती शैफाली, प्रियंका, रीना, रुचिका, गरिमा,पूजा,रेखा,सलोनी,वाणी एवं प्रशिता,चारवी,मीशा द्वारा बहुत ही भक्तिमय प्रभावशाली तरीके से किया गया। जिससे सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो कर भाव विभोर हो गए! दिगम्बर जैन महासमिति ,मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री

सुरेन्द्र पांड्या ,राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन आई पी एस रिटायर्ड एवं कोषाध्यक्ष रमेशचंद जैन ने गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यक्रम का अवलोकन किया जिनका तिलक,माल्यार्पण शिरोमणि संरक्षक मुकेश पांड्या, लल्लू लाल बैनाड़ा, इ ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला ,नरेंद्र जैन द्वारा किया गया। आंचलिक अध्यक्ष अनिल जैन ने अपने उदबोधन में मालवीय नगर संभाग के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए सदस्यता अभियान तथा अन्य कार्यों के लिए प्रेरित किया। पारितोषिक वितरण संरक्षक सदस्य एवं संयुक्त मंत्री विनोद जैन -मधु जैन द्वारा किया गया। अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ नवरत्न जैन,कैलाश लुहाड़िया, शकुन बड़जात्या, मंजू काला, प्रीति बाकलीवाल, रंजना बोहरा,विद्या सेठी,किरण जैन, विमला जैन तथा जगतपुरा से पधारे अशोक जैन,राकेश जैन आदि ने उपस्थिति दी। संभागीय कोषाध्यक्ष अरुण काला एवं इ ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला ने सबका आभार व्यक्त किया।

सांगानेर चित्रकूट जैन मंदिर में दश लक्षण पर्व पर मंडल विधान पूजा हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर में चल रहे दस लक्षण पर्व विधान पूजा अभिषेक क्रियाएं प्रतिदिन हो रही हैं। मंदिर अध्यक्ष केवलचन्द जैन, मंत्री अनिल जैन काशीपुरा, मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया ने बताया कि सकल जैन समाज चित्रकूट द्वारा आयोजित विधान में श्रावक श्राविकाएं भक्ति भाव से पूजन-अर्चना कर रहे हैं। महोत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन होगा।

दसलक्षण महापर्व के छठे दिन उत्तम संयम धर्म मनाया, सुगंध दशमी पर धूप खेवन से महके जिनालय

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। दिगंबर जैन समाज सीकर द्वारा दसलक्षण पर्व के छठवें दिन उत्तम संयम धर्म की आराधना की गई । जैन धमार्नुयायियों ने मंदिरों में धूप जलाकर भक्ति भावना के साथ हर्षोल्लास से सुगंध दशमी का पर्व मनाया ।इस दौरान धूप के खेवन से शहर के सभी जिनालय महक उठे। सुगंध की महक एवं समय-समय पर होने वाले हवनों से विश्व में अमंगलकारी कार्य नष्ट हो जाते हैं ।प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि दसलक्षण पर्व का छठा दिन उत्तम संयम धर्म है, संयम ही जीवन का श्रृंगार है, मनुष्य संयम धारण कर सकता है। इसलिए समस्त जीवों में वह श्रेष्ठ है। जिसके जीवन में संयम नहीं, उसका जीवन बिना ब्रेक की गाड़ी जैसा है। संत- साधुओं ने संयम धारण किया और अपने वीतरागी स्वरूप में रह कर जैनागम का मान बढ़ाया है। प्रातः शहर के बड़ा जैन मंदिर, दंग की नसियां, नया जैन मंदिर, दीवान जी की नसियां, देवीपुरा जैन मंदिर सहित सभी जैन मंदिरों में अभिषेक व शांतिधारा पश्चात उत्तम संयम धर्म की पूजा हुई । नया मंदिर में शांतिधारा का सौभाग्य डॉ. एम.पी.जैन जयंत कुमार पाटोदी परिवार व देवीपुरा जैन मंदिर में शांतिधारा का सौभाग्य विमल कुमार आलोक कुमार डा. विकास कुमार विनायक्या परिवार द्वारा की गई । विवेक पाटोदी ने बताया कि दसलक्षण पर्व पर सोमवार को उत्तम तप धर्म की पूजा की समस्त जैन मंदिरों में की जाएगी । दीवान जी की नसियां में सांयकाल दीवान जी की नसियां में ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी व बबीता दीदी के सानिध्य में सन्मति जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। ''दीवान जी की नसियां में बच्चों में सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन , संस्कार व करुणा जैसे गुणों के विकास के लिए हुआ संस्कार शिविर का आयोजन।'' रविवार को दीवान जी की नसियां में ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी व बबीता दीदी के सानिध्य में जैन समाज के बालक-बालिकाओं और युवक-युवतियों हेतु संस्कार शिविर आयोजित किया गया। पंडित आशीष शास्त्री द्वारा शिविर में सहयोग प्रदान किया गया, शिविर में समाज के पुरुष व महिलाओ ने भी सहभागिता निभाई ।शिविर में जैन धर्म के साथ-साथ नैतिक व्यवहारिक संस्कारों की शिक्षा दी गई। ''सहेजें अपने विरासत के संस्कारों को'' बच्चें बड़ों से मिले विरासत के संस्कारों को सहेजें ताकि बच्चों में सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन, संस्कार व करुणा जैसे गुणों का विकास हो सके। सरिता दीदी ने बताया कि वर्तमान परिवेश में अनुभव किया जा रहा है कि बच्चों में सहनशीलता, धैर्य की कमी देखी गई है। बच्चे सत्य से दूर भाग रहे हैं, वे अपना अधिकतम समय टी वी, मोबाईल, कम्प्यूटर में व्यतीत कर रहे हैं।

अर्पित जैन एवम अंकेश जैन बेस्ट डिवीजन कॉरपोरेट सेक्टर अवॉर्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज रेडियो सिटी मुंबई की तरफ से अवार्ड सेरेमनी हुई है जिसमें राजस्थान में बेस्ट डिवीजन कॉरपोरेट सेक्टर का लक्ष्य ट्रेडर्स के अर्पित जैन एवम अंकेश जैन को अवार्ड देकर सम्मानित किया।

इंडो-नेपाल इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में ऋषभ जैन ने जीता गोल्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया। 20 से 24 सितम्बर तक नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में, मुरलीपुरा, जयपुर निवासी नीरज जैन के सुपुत्र एवं कॉमर्स कॉलेज, जयपुर में सैकंड ईयर बी.बी.ए. छात्र ऋषभ जैन ने मेन्स कैटेगरी के फाइनल में श्रीलंका के खिलाड़ी को हराकर अपने करियर का दूसरा इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीता। इससे पूर्व में ऋषभ 2 नेशनल एवं एक इंटरनेशनल गोल्ड मेडल, बैडमिंटन की विभिन्न श्रेणियों में जीत चुके हैं।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद द्वारा सांस्कृतिक धार्मिक प्रश्नमंच कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) व महामंत्री पारस जैन बोहरा (दुदू वाले) ने बताया की परिषद द्वारा आयोजित सांस्कृतिक, व धार्मिक प्रश्न मंच कार्यक्रम वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दीप प्रज्वलन कर्ता देवेंद्र जैन, श्रीमती सुनीता जैन थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माणक चंद, मुकेश बड़जात्या, स्नेहलता, रोशन विजय जैन, कृष्णा, कमलेश, विनीता जैन थे। दीप प्रज्वलन के बाद कुमारी सलोनी द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। धार्मिक प्रश्नमंच मे 51 प्रश्न 51 आकर्षक पुरस्कार भी वितरित किए गए। धार्मिक प्रश्न मंथ के बीच बीच मे रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति श्रीमती रुचि सेठी, कुमारी लवी,अन्य के द्वारा दी गई ' धार्मिक प्रश्न मंच की महिला सयोजक डॉ श्रीमती पूजा जैन,श्रीमती मोना जैन,श्रीमती पिंकी कासलीवाल, श्रीमती मंजू कासलीवाल,श्रीमती अंजू जैन,श्रीमती लक्ष्मी बिंदायका, श्रीमती कामिनी बोहरा,श्रीमती सीमा जैन श्रीमती रुचि सेठी, श्रीमती रजनी जैन,कुमारी गरिमा,जैन थी ' कार्यक्रम मे परिषद के केंद्रीय महामंत्री श्री उदय भान जैन प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप जैन व वरुण पथ जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष एम पी जैन, मंत्री जे के जैन व मंदिर समिति के सभी पदाधिकारियों उपस्थित थे परिषद के परम शिरोमणि सरक्षक राजीव जैन, सतीश कासलीवाल भी मौजूद रहे। जौहरी बाजार जैन महिला समिति की महामंत्री श्रीमती कविता अजमेरा भी उपस्थित थी ' परिषद के उपाध्यक्ष नीरज जैन, कोषादक्ष्य रवि गोदिका, मनीष सेठी, मुकेश कासलीवाल,श्रीमती अंजली जैन, अजय जैन, मनोज जैन, राहुल सोगानी, मनोज जैन मुकेश जैन, चेतन जैन श्री भानु जैन, श्रीमती मिताली, लक्ष्य, कुमारी सपना, आदि सदस्य उपस्थिति थे।

नेमीसागर कालोनी में उत्तम शौच धर्म मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म की पूजन की गई। इस अवसर पर विधानाचार्य पंडित रमेश जैन ने शौच धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाहरी शुद्धि के साथ साथ मन की पवित्रता भी आवश्यक है। आंतरिक शुद्धि के बिना बाहरी शुद्धि किसी काम की नही हैं। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि सांयकाल मे श्रमण संस्कृति संस्थान के अधीन संचालित बालिका महाविद्यालय छात्रावास की बालिकाओं द्वारा 'रानी अहिल्या बाई होलकर' नाटक प्रस्तुत किया गया। शौच धर्म की पूजन स्थापना प्रदीप निगोतिया द्वारा की गई ।सायंकालीन आरती राकेश - सुनीता पहाड़िया, दीप प्रज्जवलन सूरज - सीमा सेठी एवं परिवार द्वारा की गई। कार्यक्रम में श्रमण संस्कृति संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन, सहसचिव दर्शन जैन एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। नाटक का निर्देशन रेखा जैन द्वारा किया गया।

उत्तम सत्य व्रत पालीजे, पर विश्वासघात नहीं कीजे

शनिवार को दसलक्षण महोत्सव में श्रद्धालुओं ने नेमीसागर कालोनी में उत्तम सत्य धर्म की पूजा की। साथ ही शाम को संगीतमय भक्तामर का आयोजन किया गया जिसमे श्रावक-श्राविकाएं संगीतकार आदि जैन के भक्ति गीतों पर जमकर झूमे। पर्व के पांचवें दिन श्रावक-श्राविकाओं से सत्य धर्म के पालन का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधानाचार्य पंडित रमेश जैन ने कहा कि सत्य बोलने से भावों में निर्मलता आती है। उन्होंने कहा कि ह्यउत्तम सत्य व्रत पालीजे, पर विश्वासघात नहीं कीजेह्न। अर्थात मनुष्य को उत्तम सत्य धर्म का सदैव पालन करना चाहिए। कभी किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज की उत्तम सत्य धर्म की पूजन स्थापना अनिल जैन धुआं वालो ने की। सायंकालीन आरती वह एवं संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान रिद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ के पुण्यार्जक विकास पाटनी दाता वाले थे।

सुगंध दशमी पर नेमीसागर जैन मंदिर में हुई विशेष पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगंध दशमी के पर्व पर आज जैन मंदिरों में धूप चढ़ाई गई, जिससे जैन मंदिर एवं आसपास का वातावरण सुगंधमय हो गया। नेमीसागर कालोनी में दसलक्षण पर्व में उत्तम संयम धर्म की पूजा भी की गई। पूजा के माध्यम से श्रावको ने संयम धर्म के महत्व को समझा। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज की पूजन स्थापना विकास पाटनी ने की। सायंकालीन आरती के पुण्यार्जक वीरेंद्र गोधा एवं परिवार थे। इस अवसर पर आरती सजाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसके पुरस्कार के पुण्यार्जक किरण जैन भाननगर रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संयम, साधना और तप का अनमोल बंधन हैं

जयपुर. शाबाश इंडिया। वीतराग दस लक्षण धर्म के छठें दिन बुधवार को श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में उत्तम संयम पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। प्रातः भगवान के प्रथम अभिषेक व शांतीधारा पुण्यार्जक शैलेन्द्र जैन व सुशील गोधा परिवार द्वारा की गई। धर्मावलंबियों द्वारा सामूहिक दशलक्षण धर्म की पूजन में उत्तम संयम धर्म की पूजा का 'उत्तम संयम गहु मन मेरे, भव-भव के भाजें अघ तेरे' 'सुरग-नरक-पशुगति में नाहीं, आलस-हरन करन सुख ठाहीं' अर्घ समर्पित किया गया। शाम को आरती हुई। पंडित विपाशा द्वारा उत्तम संयम धर्म पर प्रकाश डाला गया। मंदिर जी मे रोशनी की सजावट की गई।

संकलनः नरेश कासलीवाल

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥

दिगम्बर जैन मन्दिर श्री आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी)

बख्शीजी का चौक, रामगंज बाजार, जयपुर-302 003

पर्वराज दशलक्षण कार्यक्रम

48 दीपको पर ऋद्धि मंत्रों से

भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान

उत्तम तप-सोमवार, दिनांक 25 सितम्बर, 2023

रात्रि 8.00 बजे

स्थान : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जी श्री आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी), रामगंज बाजार ,जयपुर

श्री विद्यासागर यात्रा संघ द्वारा संगीतमय प्रस्तुति

आप सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक : प्रबन्धकारिणी कमेटी,

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जी श्री आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी), रामगंज बाजार ,जयपुर

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन औषधालय, बख्शी जी का चौक, रामगंज बाजार, जयपुर स्थित औषधालय निरन्तर होम्योपैथिक चिकित्सा द्वारा समस्त रोगों का उपचार प्रतिदिन सायं 5:30 से 7:00 बजे तक सफलतापूर्वक प्रदान कर रहा है।

:: निवेदक ::

प्रबन्धकारिणी कमेटी

दिगम्बर जैन मन्दिर श्री आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी)

सुनील बख्शी	राकेश छाबड़ा	नितिन बख्शी	विजय कटारिया	राजेन्द्र सोनी
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	मंत्री
99290 90242	9829062456	8003833273	8852979000	90010 00549

कार्यकारिणी सदस्य : हरीश छाबड़ा, दीपक मेहन्दीवाला, भागचन्द गोटेवाला, अशोक छाबड़ा, राजेश अजमेरा, अनिता छाबड़ा

सीकरी में विद्यासागर पाठशाला द्वारा हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

सीकरी. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म मनाया गया। समाज के मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि सभी जैन अनुयायियों ने बड़े भक्ति भाव से उत्तम सत्य धर्म की पूजन की व शांतिधारा करने का सौभाग्य शिखरचंद दीपक जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इससे पूर्व शुक्रवार रात्रि को जैन मंदिर में श्री विद्यासागर पाठशाला द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। पाठशाला के बच्चों ने सर्वप्रथम मंगलाचरण प्रस्तुत किया जिसके बाद एक बहुत ही शानदार नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें बताया गया कि जैन धर्म और इसकी संस्कृति बहुत प्राचीन है हमें आधुनिक संस्कृति को छोड़ जैन धर्म की संस्कृति को अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 27 सितम्बर को भी पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर रीमा जैन, सीमा जैन, ममता जैन, रश्मि जैन, निकिता जैन आदि समाज के सभी पुरुष, महिला, युवा व बच्चे मौजूद रहे।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ पर मनाया गया धूप दशमी का महोत्सव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में सुगन्ध दशमी (धूप दशमी) का महोत्सव मनाया गया। श्री दशलक्षण महामण्डल विधान के अंतर्गत आज छठवें दिन उत्तम संयम धर्म की पूजन करने का सौभाग्य महावीर पराणा एवं महावीर पहाड़ी वाले निवाई वालों को प्राप्त हुआ । 29 वें साधनामय चातुर्मास के पुण्यार्जक परिवार सुभाष सरिता पाटनी किशनगढ़ है। क्लेश - बाधा हरनेवाली शांतिप्रभु की शान्तिधारा करने का सौभाग्य देवेंद्र भाणजा निवाई , ओमप्रकाश जी ललवाड़ी वाले निवाई , ताराचंद जी रामनगर वाले निवाई वालों ने प्राप्त किया । विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर चल रहे विविध आयोजन , आराधनाओं का लाभ यात्रीगण ले रहे हैं। माताजी ने धर्मसभा में उपस्थित धमार्लुओं से कहा कि - प्राणी रक्षण करना और इन्द्रिय दमन करना संयम है। पंचेन्द्रिय तथा मन के विषयों में आसक्ति को घटाना तथा इसके कारण पंचेन्द्रिय जीवों की रक्षा करना ही उत्तम संयम धर्म है। संयम रुपी चाबी से मोक्षमहल के ताले को खोला जा सकता है। संयम रुपी नांव में सवार होकर हम संसार रूपी नदी को पार कर सकते हैं। हमें सीमित बोलना, सीमित सोचना सीमित खाना, सीमित वस्तुएं रखना चाहिए क्योंकि सीमा में रहने वाले मनुष्य पर कभी संकट नहीं आता, वह हमेशा सुरक्षित रहता है। संयम हमारे राग की आग को बुझाता है और वैराग्य की ज्योति जलाता है।

सत्य के बिना कल्याण होने वाला नहीं है आज सत्य को जानते हुए अनर्थ कर रहे हैं: मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज

अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर में देशभर के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, दस हजार दीपों से हुई धूप दसमीं पर महाआरती हुई

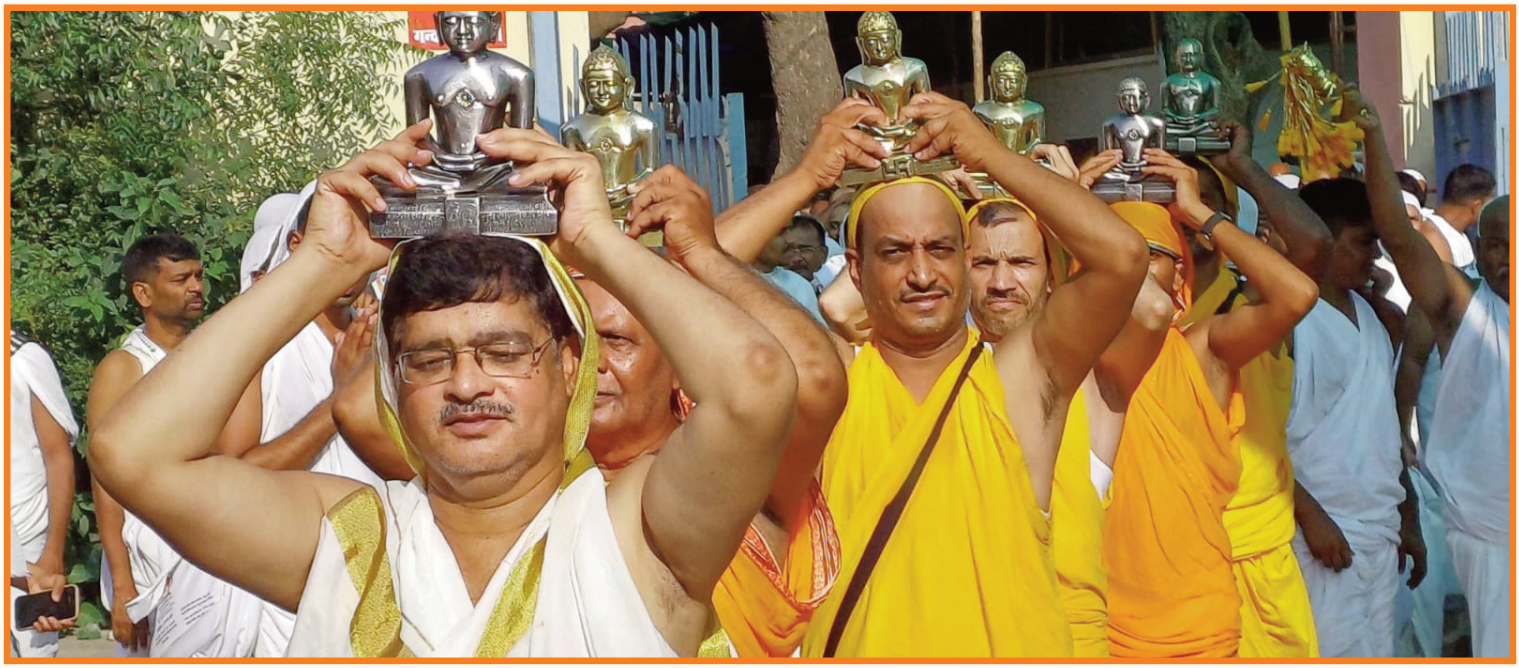

आगरा. शाबाश इंडिया

सत्य के बिना कल्याण होने वाला नहीं है, आज सत्य को जानते हुए भी अनर्थ का कार्य कर रहे हैं, सम्यक दर्शन होने के वाद भी हत्या करा सकता है, दो सम्यदृष्टि एक दूसरे के प्राण लेने के लिए एक दूसरे पर टूट पड़ते हैं, सुदर्शन चक्र चला देते हैं, भाई ने भाई पर चक्र चला दिया, आज का दिन नहीं होता सत्य के बाद संयम नहीं होता तो अनर्थ हो जाता जान रहा था सम्यज्ञ दृष्टि, फिर भी भाई की हत्या करने को ऊतारु है आज सत्य के पीछे संयम लगा दिया सब सत्य है सत्य के ऊपर संयम चाहिए। असत्य के संयम होता ही नहीं है सम्यज्ञ दृष्टि को संयम चाहिए ताकत बान है शक्तिवान के लिए संयम चाहिए जो जितना शक्तिशाली होंगा उसको उतना ही संयमी होना जरूरी है उक्त आश्य के उद्गार हरि पर्वत आगरा में अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर की विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

आज धूप क्षेपण करने का विशेष महत्व है

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि दस लक्षण महा पर्व पर आज धूप दसमीं के दिन धूप खेने का विशेष महत्व है सभी शिविरार्थी ने कुंडो में धूप समर्पित की तदउपरान्त शाय काल की वेला में बड़े भक्तिभाव से दस हजार दीपों से जगमगाया महा आरती शिविरार्थी के साथ स्थानीय समाज जनों द्वारा की गई इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन , नीरज जैन (जिनवाणी), महामंत्री निर्मल कुमार जैन मोट्या कोषाध्यश, मनोज कुमार बाकलीवाल- मुख्य संयोंजक पी.एल. बैनाडा कार्याध्यक्ष हीरालाल बैनाड़ा- स्वागतध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन - ललित जैन (डायमन्ड)अमित बाबी राजेश जैन गया ,वाई के जैन, विमल मारसंस भोलानाथ सिंघंई जितेन्द्र कुमार जैन शिखर चंद सिघई के साथ शिविर निर्देशक हुकम काका दिनेश गंगवाल प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया सुकांत भइया मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा विकास विजोलिया कल्पेश सूरत कैलेंडर जैन नाथूलाल अजमेर सहित सभी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

नदी दो किनारे के बीच से बाहर निकल जायें तो वह रौद्र रूप रंग लेती है

उन्होंने कहा कि जितने अतिचार बताये अणुव्रत के लिए ही बताये है महाव्रती के लिए तो कोई अतिचार बताये ही नहीं है अतिचार का महाव्रती के साथ कोई मतलब ही नहीं है नदी दो किनारे के बीच बहती जाती है बहते बहते अपनी यात्रा पूरी करतीं हैं ।नदी जब अपनी मयार्दा का उल्लघंन करती है तो बाड़ का रुप ले कर सब को उजाड़ती चली जाती है ।ऐसे ही सत्य अपनी मयार्दा लांघ कर सब का नाश कर देता है। इसलिए इस पर संयम के अंकुश की आवश्यकता है सत्य से ज्ञान तो हो जायेगा कल्याण नहीं होता कल्याण जब भी होगा संयम से होगा चारित्र धारण करने से होगा सत्य सब कुछ देखने को कहता है संयम सब कुछ देखने को तो छूट देता है लेकिन छूने की मनाही करता है। रावण ने सीता जी को सबसे सुन्दर माना लेकिन एक गलती करदी छूने की कोशिश की और क्या हुआ सारा संसार जानता है। संसार प्राणी की आदत है कि सुन्दर वस्तू

देखी और पाने की छूने की चाह रखने लगता है तब ही तो पीछे से दंड मिलता है।

दशलक्षण महापर्व पर आयोजित श्रावक संस्कार शिविर

धर्म प्रभावना पूर्वक संपन्न, महापर्व का छठा दिन

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभाकर शिष्या आ. श्री105 अकंप मति माताजी आ. श्री 105 अचल मति माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर नेहानगर में श्रावक संस्कार शिविर धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है। शिविर में 500 से ज्यादा शिवरार्थीओं ने भाग लिया हैं। कार्यक्रम में विधि विधान की समस्त क्रियाऐं सांगानेर जयपुर से आऐ पंडित सुदर्शन शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हो रहे हैं। दसलक्षण महापर्व के प्रथम दिन उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य और आज छटवां दिन उत्तम संयम धर्म के कार्यक्रम प्रभावना पूर्वक संपन्न हुऐ। दसलक्षण महापर्व के अवसर पर सुबह से संगीतमय पूजन, तत्वार्थ सूत्र का वचन पूज्य आर्यिका श्री के प्रवचन दोपहर 1.00 से विधान शाम को आचार्य भक्ति, आरती, प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भक्तिमय आनंद के साथ संपन्न हो रहे है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से जैन मिलन द्वारा भजन प्रतियोगिता, मंदिर समिति द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन ,युवा मंडल द्वारा नाटिका ,पाठशाला के बच्चों द्वारा नाटिका, एवं महिला जैन मिलन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुऐ समस्त आयोजन में श्री महावीर दि, जैन मंदिर समिति, पाठशाला समिति, औषधालय समिति, जैन मिलन, भारतीय जैन संघटना एवं नेहानगर जैन समाज का महत्वपूर्ण योगदान हैं।

दशलक्षण पर्व पर "आदर्श बहु और माडर्न जमाना" नाटक का मंचन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर के शांतिनाथ भवन में पर्युषण महापर्व के दौरान जिनश्री महिला मण्डल द्वारा आदर्श बहु और माडर्न जमाना नाटक का मंचन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चातुर्मास कमेटी के प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत सोधर्म इन्द्र महावीर प्रसाद छाबड़ा, निर्मल चंवरिया, विमल पाटनी एवं ज्ञानचंद सोगानी ने आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के चित्र का लोकार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस दौरान आदर्श बहु लधु नाटिका जो हमें जमाने के साथ माडर्न होने तथा उसी के साथ भगवान और भगवान के चमत्कारों पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करती है। कार्यक्रम का संचालन संगीता गिन्दोडी ने किया।कार्यक्रम में पिंकी जैन सेठ जी, संजू चंवरिया सेठानी, अंतिमा गिन्दोडी रीना जैन बहु, गुडडी सिरस, माया जैन, अंजू जैन, नेहा जैन, नीरु झिलाय ,आशा जैन, अंजू भाणजा ने अभिनय किया जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रशंसा की। इस अवसर पर पुनित संधी, हितेश छाबड़ा, हेमचंद संधी, त्रिलोक सिरस, महावीर प्रसाद छाबड़ा, महेंद्र चंवरिया, राजेश गिन्दोडी, पंकज जैन, अमित कटारिया, त्रिलोक पांडया सहित कई लोग मौजूद थे।

बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम सत्य धर्म एवं सुगंध दशमी पर्व उत्साह पूर्वक मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम सत्य धर्म एवं सुगंध दशमी पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि प्रातः सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक करने की उपरांत अभिषेक, पीयूष, अशोक कुमार गोधा ने मूलनायक पदम प्रभु भगवान पर, ज्ञानचंद गदिया ने आदिनाथ भगवान पर, आसाराम अग्रवाल ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। इस उपरांत कल्पना सोगानी के निर्देशन में सत्य धर्म की पूजा-अर्चना कर अर्ध समर्पण किये। प्रकाश पाटनी ने बताया कि दोपहर से सुगंध दशमी पर्व प्रारंभ हो गया। शहर की सभी कॉलोनीयों से अहिंसा रैली के रूप में अलग-अलग समूह में जैन ध्वज के लिए जयकारा करते हुए मंदिर में धूप क्षेपण किया। बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, युवा बड़े उत्साह के साथ मंदिर में आकर अग्नि में धूप क्षेपण कर अपने को धन्य किया। सारा वातावरण सुगंधमय हो गया।

दशलक्षण महापर्व पर दुर्गापुरा जैन मंदिर में उत्तम सयम धर्म की पूजा हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा, जयपुर में दशलक्षण महापर्व पर 24 सितंबर 2023 रविवार को प्रातः 6.30 बजे मूल नायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान जी के प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन राजकुमार जैन श्रीमती चंदा जैन सेठी परिवार ने प्राप्त किया। दश लक्षण महा मण्डल पूजा के सोधर्म इन्द्र इंद्राणी प्रकाश चन्द प्रेम देवी जैन बाकलीवाल रहे तथा महा आरती का पुण्यार्जन भी प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि उत्तम संयम धर्म की विधानाचार्य पंडित दीपक शास्त्री के मंत्रोच्चार एवं संगीतकार पवन बड़जात्या एवं पार्टी की मधुर आवाज में उत्तम संयम धर्म की पूजा भक्ति भाव से श्रद्धालुओं द्वारा की गई। विद्यासागर पाठशाला दुगार्पुरा के नन्हे मुन्ने बच्चों ने जिन धर्म की महिमा नाटक का मंचन किया।कार्यक्रम के पश्चात सभी बच्चों को पुरस्कृत किया।

मान्यवास मानसरोवर जैन मंदिर में उत्तम सयम धर्म की पूजा हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर इंजीनियर्स कॉलोनी मान्यवास मानसरोवर जयपुर में दशलक्षण महापर्व पर शांति धारा के पुण्यार्जक कमल चंद छाबड़ा, तारा देवी छाबड़ा परिवार, संजय कुमार, पवन कुमार, अर्चित कुमार, प्रखर कुमार, मंजू, सुनीता, प्रवीता, पूजा जैन परिवार रहे। इस अवसर पर पंचमेरु के उपवास करने पर श्रीमती इंद्राणी धर्मपत्नी मनोज का मंदिर प्रांगण मे समाज द्वारा सम्मान किया गया तथा उत्तम सयम धर्म की पूजा की गई। साय काल सुगंध दशमी के पावन अवसर पर धूप खेयी गई।

विजयलाल पांड्या की नसियां आमेर रोड़ पर स्थित है, सुगंध दशमी के पावन अवसर पर अपने कर्मो को नष्ट करने के भाव लिए हुए धूप खेपन किया।

शाबाश इंडिया

ई-न्यूज पेपर में

छोटा सा संसार, गलतियाँ अपार
आपके पास है क्षमा का अधिकार
कर लीजिए निवेदन स्वीकार

क्षमावाणी पर्व के पावन अवसर पर

(30 सितम्बर व 1 अक्टूबर को प्रकाशित होगा विशेषांक)

क्षमा याचना का संदेश
शाबाश इंडिया ई-न्यूज पेपर
में प्रकाशित करवाकर हृदय से
क्षमायाचना करें।

क्षमावाणी संदेश के लिए सम्पर्क करें

राकेश गोदिका
सम्पादक एवं प्रकाशक
94140-78380
92140-78380

जिनालियों में कर्मों की निर्जरा हेतु सुगंध दशमी के पावन पर्व पर किया धूप खेवन

पंचेन्द्रियों पर नियंत्रण रखना उत्तम संयम धर्म कहलाता हैः आर्यिका सुबोधमति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरु, नारेड़ा, मंडावरी,मेहंदवास, निमेडा एवं लदाना सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर ,त्रिमूर्ति जैन मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर,चंद्रप्रभु नसिया तथा चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में आज दशलक्षण पर्व के छठे दिन उत्तम संयम धर्म की पूजा की गई तथा सुगंध दशमी पर्व पर सांयकाल कर्मों की निर्जरा हेतु श्री जी के समक्ष धूप खेवन कर सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई, धूप खेवन से सभी जिनालय खुशबू के वातावरण महक उठे,जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू गोधा ने अवगत कराया इससे पूर्व प्रातः सभी जिनालियों में अभिषेक , शांतिधारा बाद अष्टद्रव्यों से पूजा की गई, गोधा ने अवगत कराया कि कस्बे में चल रहे दस दिवसीय सहस्त्रनाम जिन शासन विधान में पूज्यार्थियों द्वारा 100 अर्घ्य समर्पित किए गए, पवनकुमार- राजकुमार कागला परिवार ने विधान का पुण्यार्जन प्राप्त किया तथा आर्यिका सुबोधमति माताजी ने उत्तम संयम धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि पंचेन्द्रियों पर नियंत्रण रखना उत्तम संयम धर्म कहलाता है , उत्तम संयम से अनंत सुखों की प्राप्ति होती है। इसी कड़ी में महिला मंडल की मुन्ना कासलीवाल, मुन्ना अजमेरा,चित्रा गोधा तथा शोभा झंडा ने संयुक्त रूप से सुगंध दशमी के बारे में बताया कि महिलाओं द्वारा सुगंध दशमी का व्रत किया जाता है दिगंबर जैन समाज में सुगंध दशमी के व्रत का काफी महत्व है, महिलाएं हर वर्ष सुगंध दशमी का व्रत रखकर सुख समृद्धि की कामना करती है, इस व्रत को विधिपूर्वक करने से अशुभ कर्मों का क्षय होकर का पुण्यबंध का निर्माण होता है तथा स्वर्ग एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है, गोधा ने अवगत कराया कि धूप खेवन के पावन अवसर पर समाज के समाज के वयोवृद्ध कपूर चंद जैन मांदी, कपूर चंद नला, पूर्व सरपंच ताराचंद जैन,मोहनलाल झंडा, प्यार चंद पीपलू,कैलाश कलवाड़ा ,सोहनलाल झंडा, प्रेमचंद भंवसा,रामस्वरूप जैन मंडावरा, रामस्वरूप मोदी,चम्पालाल जैन,केलास पंसारी,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी, केलास कासलीवाल, महावीर कठमाणा,सुरेश सांघी, नेमीचंद कागला, सुरेश मांदी,पं.संतोष बजाज,केलास कडीला, सोभागमल सिंघल, भागचंद कासलीवाल, नवरत्नमल कठमाणा, महेंद्र कासलीवाल, नवरत्नमल मंडावरा,रतन नला, हरकचंद झंडा, रमेश बजाज, हरकचंद पीपलू, शिखर मोदी, सुनील गंगवाल,पारस चौधरी, सत्येन्द्र कुमार झंडा,सुरेश डेठानी, टीकम गिंदोडी, राजेंद्र कलवाडा, रमेश बावड़ी, बाबूलाल पहाड़िया, पवन गंगवाल, शांति लाल धमाणा, महेंद्र बावड़ी, पारस नला, विमल कलवाडा,चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कठमाणा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र बावड़ी, विनोद कलवाडा, ओमप्रकाश कासलीवाल, राजेंद्र मोदी, महावीर मोदी, महावीर बजाज, पदम बजाज, अग्रवाल समाज 84 के उपाध्यक्ष पवन कागला, शिखर गंगवाल, मुकेश गिंदोडी, पारस मोदी, विनोद मोदी, मितेश लदाना, कमलेश चौधरी, कमलेश सिंघल,बन्टी पहाड़िया, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबु गोधा सहित सारे श्रावक श्राविकाएं साथ साथ थे।

मन और आत्मा को शुद्ध और सरल बनाने से होगी सत्य की प्राप्ति : प्रो जिनेंद्र जैन

आठ कर्म दहन के लिए धूप दशमी पर्व मनाया

लाडनूं. शाबाश इंडिया

स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर लाडनूं में दसलक्षण पर्व के छठे दिन धूप दशमी पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जैन समाज के मंत्री विकास पांड्या ने कहा कि जैन समाज के लोगों ने नगर के सभी मंदिरों जाकर अपने कर्मों के दहन की कामना करते हुए धूप चढ़ाई। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि दसलक्षण पर्व के अवसर पर प्रतिदिन धार्मिक सांस्कृतिक, प्रेरणास्पद एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है। जिसका कुशल संयोजन समाज के लोगों द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए जैन दर्शन के मनीषी डॉ सुरेंद्र जैन ने कहा कि आठ कर्मों ज्ञानावरण, दर्शनावरण, वेदनीय, मोहनीय, आयु, नाम, गोत्र और अंतराय है। इन आठ कर्मों की मूल प्रकृतियाँ - स्वभाव हैं । ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय और अंतराय ये चार कर्म घातिया कहलाते हैं क्योंकि ये जीव के ज्ञान, दर्शन, सम्यक्त्व, वीर्य आदि गुणों का घात करने वाले हैं। इस अवसर पर प्राकृत एवं संस्कृत विभाग, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो जिनेंद्र कुमार जैन ने कहा कि उत्तम सत्य धर्म हमें यही सिखाता है कि आत्मा की प्रकृति जानने के लिए सत्य आवश्यक है और इसके आधार पर ही मोक्ष को प्राप्त करना मुमकिन है। अपने मन आत्मा को सरल और शुद्ध बना लें तो सत्य अपने आप ही आ जाएगा। इस अवसर पर जैन समाज के उपाध्यक्ष अशोक सेठी, पूर्व अध्यक्ष सुरेश कासलीवाल, निर्मल पाटनी, अंकुश सेठी, आकाश कासलीवाल, सुरेंद्र सेठी, महेंद्र सेठी, अशोक पांड्या, महावीर चूड़ीवाल, महिलाओं में रंजू पांड्या, प्रेम चूड़ीवाल, रतनीबाई बड़जात्या, सुमन कासलीवाल, सुशीला कासलीवाल, डॉ मनीषा जैन, वीणा जैन, महिमा जैन, संतोष सेठी, देशना जैन सहित सैकड़ो लोगों ने दसलक्षण महामंडल विधान एवं 24 तीर्थंकर विधान की पूजा अर्चना की।

बिटिया दिवस विशेष

सौ बेटियों की मां किन्नर नीतू!

देह से किन्नर कहलाती हैं वे...
नहीं पता कहाँ से आई
कौन मां बाप थे...
नहीं पता कैसे पहुंच गई
भरतपुर की सरजमीं पर
और निभाने लगी अपना धर्म
घर घर घूमती थीं
किन्नर साथियों के संग
देती थीं बधाइयां
ताली पीट पीट कर
खुशी से लगाती ठुमके
कि जल जाए चूल्हा
मिल जाए दो वक्त की रोटी!
अजब टोली थी
कैसी ठिठोली थी
खून का रिश्ता नहीं किसीसे
पर मौंसी मुंह बोली थी!
किन्नर जीवन जीते
खयाल आता...
यह जीना भी कोई जीना है!
यह तो दर्द ए गम को पीना है!
ममता का सुख मैं भी जानू
समाज की बेटियों को अपना बनालूं!
सौ रुपया कमाती हूं..
अस्सी उनको दे डालूं!
बस जाएं उनके घर..
ना हो कोई दरबदर
और... मौंसी हर बरस
सजाती है मंडप
धर्म और जांत पांत से परे
सात फेरे के मंत्र गूंजते हैं
तो निकाह कुबूल की ध्वनि भी
विदा के वक्त भर आती हैं
किन्नर मौंसी की आंखें
गले लग जाती हैं बेटियां
तू बाबुल तो तू ही है मां!
बांचना तुम भी कभी
किन्नर जीवन की पाती
और....
उसकी आंखो से ले आना
अपनी आंखो में
थोड़ी सी नमी
कहानी अनकही!

साधना सोलंकी 'राजस्थानी'

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

जैन समाज के द्वारा सुगंध दशमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में पर्वाधिराज दस लक्षण पर्व के छठे दिन उत्तम संयम धर्म व सुगंध दशमी का पर्व बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि भाद्रपद शुक्ल की दशमी को जैन मंदिरों में सुगंधित द्रव्यों द्वारा सुगंध करके यह पर्व मनाया जाता है। सुगंध दशमी के अलावा इसे धूप दशमी भी कहा जाता है इस व्रत को विधिपूर्वक करने से मनुष्य के अशुभ कर्मों का क्षय होकर पुण्य बंध का लाभ होता है। इस दिन बहनों द्वारा उपवास भी किया जाता है। इस दिन पिड़ावा के सभी जिनालयों, कोटड़ी, भक्तामर विश्व धाम डोला के जिनालयों में श्रावक श्राविकाओं अष्टदव्य के साथ धूप चढ़ाने जाते हैं अभी सभी मंदिरों में प्रतिदिन अभिषेक, शांति धारा, नित्य नियम पूजन, दशलक्षण धर्म की पूजन करते हुए श्रवणगण अपनी आत्म कल्याण में लगे हुए हैं व्रत, संयम धरण कर अपनी आत्मा का कल्याण कर रहे हैं नयापुरा के लाल मंदिर में दीदी द्वारा, श्री आदिनाथ जिनालय एवं पंच बालयति मंदिर स्वाध्याय भवन में पंडित शुभम शास्त्री भोपाल द्वारा, जूना मंदिर में 108 सूव्रत सागर महाराज व बाल ब्रह्मचारी संजय भैया पठारी द्वारा श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में भैया अन्नु शास्त्री जबलपुर द्वारा तत्व चर्चा के माध्यम से ज्ञान की गंगा बह रही है। इस अवसर पर भैया अवधेश जैन पुत्र हटेसिंह जैन शहर मोहल्ला ने पंचमेरू जी के लगातार निर्जल पांच उपवास किये सभी मंदिरों में रात्रि में ब्रम्हानंद सागर पाठशाला के अध्यापक निक्कू जैन, आशिश जैन, रानी जैन, सोनु राजस्थानी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी करवाए जा रहे हैं वहीं नयापुरा के लाल जैन मंदिर में जागरण का भक्ति मय कार्यक्रम देर रात्रि तक चला।

जैन अध्यात्म नाटक "दर्शन प्रतिज्ञा" का जनकपुरी मंदिर परिसर में मंचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। दश लक्षण महापर्व पर सुगंध दशमी की पूर्व संध्या पर जनकपुरी ज्योति नगर महिला मण्डल के तत्वाधान में मंडल सदस्यों के द्वारा 23 सितंबर शनिवार को जैन अध्यात्म नाटक दर्शन प्रतिज्ञा का मंदिर परिसर में सफल मंचन किया गया । मंडल अध्यक्ष शकुन्तला बिंदायका ने अवगत कराया कि जैन कथा पर आधारित इस अभिनय को आर्यिका विशेषमति माताजी की प्रेरणा से तैयार किया गया । इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र पंड्या,राष्ट्रीय महामंत्री दिगम्बर जैन महासमिति, अनिल जैन आई पी एस, राष्ट्रीय अध्यक्ष दिगम्बर जैन महासमिति, सुनील बज रीजन कार्याध्यक्ष सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन थे । अनिता बिंदायका, मंत्री ने बताया कि दीप प्रज्वलन सुभाष राजेश जैन फिरोजपुर झिरका वालों के द्वारा तथा चित्र अनावरण अनन्त बज, रैनी बज के द्वारा किया गया। कार्यक्रम आयोजन में जनकपुरी जैन मंदिर प्रबंधकारिणी समिति, युवा मंडल एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा ।

झुमरीतिलैया में भक्ति भाव पूर्वक सुगंध दशमी का पर्व मनाया गया

झुमरीतिलैया,कोडरमा. शाबाश इंडिया

जैन धर्म का पवार्धीराज दसलक्षण पर्व का छठा दिन जैन धर्मावलंबियों ने उत्तम संयम धर्म के रूप में मनाया। झुमरीतिलैया में धर्म और ज्ञान की गंगा बहा रहे महासंत जैन मुनि श्री 108 सुयश सागर गुरुदेव ने अपनी पीयूष वाणी मे भक्तजनों को कहा कि संयम समझने का नहीं अंतरंग में उतारने का विषय है संयम व्यक्ति को पूज्य और वंदनीय बनाता है और इसको देव भी नमस्कार करते हैं बिना संयम के मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती है दूसरों पर कंट्रोल नहीं अपने पर कंट्रोल करो जीवन को संयमित और नियंत्रित बनाना ही संयम है । मनुष्य को बाहर से नहीं अंदर से जागने की आवश्यकता है इंद्रियों पर कंट्रोल करके ही संयम धर्म को धारण किया जा सकता है । मनुष्य को हमेशा विवेक पूर्वक काम करना चाहिए यत्न पूर्वक कार्य करने से ही संयम होता है। नियम और संयम के साथ जीवन जीना चाहिए इसके बिना मनुष्य भी पशु के समान है। योगी का जीवन हमेशा स्वतंत्र जीवन होता है और मन को अपने अनुसार चलाते हैं परंतु भोगी व्यक्ति मन का गुलाम बन कर जीते हैं। निग्रंथ के बिना निर्वाण की प्राप्ति नहीं हो सकती हैं संसार के बंधन को तोड़ कर संयम धर्म को धारण किया जा सकता है, अपने को व्यवस्थित बना लेना ही संयम है, प्राणों को छोड़कर प्रण को धारण करने वाला ही संयमी होता है। आज दोनों मंदिरों में बड़े ही भक्ति भाव पूर्वक भक्त जनों के द्वारा धूप दशमी का पर्व मनाया गया विश्व शांति मंत्रों को बोलकर कर्मों की निर्जरा के लिए धूप अग्नि में विसर्जित किया गया पर्युषण महापर्व पर निर्जल उपवास कर रहे वृत्तियों को समाज के मंत्री ललित सेठी, उपाध्यक्ष कमल सेठी, कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र झाझंरी, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला, भंडारी सुनील सेठी, जय कुमार गंगवाल, मंदिर निर्माण कमेटी के संयोजक सुरेश झाझंरी सुशील छाबड़ा एवं पार्षद पिंकी जैन ने सभी व्रतधारियों को नमन करते हुए उसकी अनुमोदना की 10 लक्षण व्रत धारी जयकुमार गंगवाल सुरेंद्र काला कमल जैन शैलेश छाबड़ा संजय गंगवाल मनोज गंगवाल अक्षय गंगवाल अंकित ठोलिया प्रशमसेठी जोंटी काला ने गुरुदेव सुयश सागर को श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया प्रातः विधान अभिषेक पूजा में श्रद्धालु भक्तों को शशि छाबड़ा और सुबोध गंगवाल अपने भक्ति मय संगीत भजनों से लोगों को भाव विभोर कर रहे हैं आज प्रातः नया मंदिर में मूल नायक 1008 महावीर भगवान का प्रथम अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य मानिकचंद मनोज कुमार ईशान सेठी परिवार एवं जयकुमार मनीष गंगवाल परिवार को मिला बड़ा मंदिर में मूल नायक पारसनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य ललित नीलम सिद्धांत पायल सेठी परिवार को मिला पंडाल मेश्री बिहार एवं प्रथम अभिषेक रजत झारी से शांति धारा का सौभाग्य इंदू देवी शेलेश-सुनीता सेठी परिवार को मिला पारसनाथ भगवान की मूल विधि में अभिषेक शांति धारा का सौभाग्य 10 लक्षण व्रतधारी परिवारों को मिला पंडाल में स्वर्ण धारी से शांति धारा का सौभाग्य शांतिलाल जी राजेश देवी परिवार को मिला भगवान का दीप प्रज्वलन गुरुदेव को शास्त्र भेंट चरण धोने का सौभाग्य राकेश अनूप शैलेश दीपक सार्थक रौनक सेठी परिवार को मिला यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा,नवीन जैन ने दी ।

जज्बा पढ़ाई का : सास ने बहु को दिलाया लॉ कॉलेज में दाखिला

जयपुर. शाबाश इंडिया। झोटवाड़ा-निवारू रोड निवासी रूढ़िवादी राजपूत फैमिली की बहू-सोशल एक्टिविस्ट दीप कंवर ने अपने ससुर स्वर्गीय महेंद्र सिंह चौहान के द्वारा दी गई सीख को याद करते हुए पन्द्रह साल के बाद आगे पढ़ने के लिए लॉ कॉलेज -श्री भवानी निकेतन विधि महाविद्यालय, जयपुर में दाखिला लिया। उन्होंने इसका श्रेय अपनी सास रसाल कंवर को दिया उन्होंने बताया उनके ससुर महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत थे एवं हमेशा ही महिलाओं की शिक्षा एवं उनके विकास के लिए प्रयासरत रहे। सास-ससुर के मार्गदर्शन पर ही दीप कंवर हमेशा से ही सोशल , पर्यावरण एवं शैक्षणिक कार्यों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाती रही । दीप कंवर का मानना है कि महिलाओं का आत्मनिर्भर होना जरूरी है इससे जिंदगी को दिशा, समझ एवं खुशी मिलती है। महिलाओं का वित्तीय आत्मनिर्भर होने से आत्मविश्वास पैदा होता है।

धुलियान में उत्तम संयम धर्म की पूजा

धूलियान पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया। 24 सितंबर को सुबह अभिषेक, तत्वार्थसुत्र का पाठ व शांतिधारा के पश्चात आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ससंघ के द्वारा दशलक्षण पर्व के 6वां दिन उत्तम संयम धर्म का सार समझाया गया गुरुमां ने कहा 'संयम मनोरंजन का विषय नहीं, आत्मरंजन का विषय है ` संयम प्रसाद से नही प्रयास से मिलता है,' धुप दशमी के बाद दशलक्षण का पुजा धूमधाम के साथ किया गया तथा सायः को प्रतिक्रमण, महा आरती प्रवचन व धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। **संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल**

जैन मन्दिर तारा नगर विस्तार जगतपुरा मे झांकी में भगवान नेमिनाथ के वैराग्य का सजीव चित्रण दर्शाया गया

जयपूर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मन्दिर तारा नगर विस्तार जगतपुरा मे आज सुगंध दशमी के पावन अवसर पर सजीव झाँकी का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान नेमिनाथ के वैराग्य का सजीव चित्रण दशार्या गया तथा नेमिकुमार का राजकुमार से मुनि बनने की यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। झाँकी मे प्रतिभागियों ने नेमिकुमार, उनकी बारात, राजुल, राजुल के माता पिता और उसकी सखियों और भगवान नेमिनाथ के किरदार निभाए। झाँकी मे गिरनार पहाड़ का भी बहुत सुन्दर चित्रण दशार्या गया है। आज की इस अनोखी झाँकी से शहर की विभिन्न कॉलोनीयों के जैन धर्मावलम्बी लाभान्वित हो रहे है एवं झाँकी की भूरी-भूरी प्रशंसा सभी के द्वारा की गई है। मन्दिर समिति के शिरोमणी संरक्षक सुरेश सोनी ने बताया कि झाँकी का आयोजन श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबंध कार्यकारिणी समिति एवं महिला मंडल द्वारा किया गया। मंदिर समिति के महामंत्री राजकुमार सेठी ने बताया कि इस झाँकी मे बच्चों एवं महिला मंडल का विशेष योगदान रहा। झाँकी का संयोजन कनक जैन के द्वारा किया गया।

240 घंटे तक बिना भोजन और जल के कर रहे उपवास

संकल्प से बड़े-बड़े कार्य सिद्ध हो जाते है: मुनि श्री

घाटोल. शाबाश इंडिया। वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर मे आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि विमल सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी रजनीश भैया जी रहली के निर्देशन में दशलक्षण महापर्व उत्तम संयम धर्म के अंतर्गत रविवार को प्रातः काल प्रतिदिन प्रभात फेरी के साथ ही बच्चो को पुरस्कार दिए जा रहे है फिर मांगलिक क्रियाएं संपन्न हो रही है संगीत की स्वर लहरियों से राजेश शाह भजनों की प्रस्तुति दे रहे है । 725 वर्ष के इतिहास में प्रथम बार विशेष 1008 कलशों से मूलनायक श्री वासुपूज्य भगवान के मोक्षकल्याणक महोत्सव 28 सितंबर को महामस्तकाभिषेक होगा एवं दुनिया का पहला विशेष निर्वाण लाडू अर्पण किया जाएगा इन लोगो ने आज नौवाँ उपवास किया यानि लगभग 240 घंटे तक बिना भोजन और जल के कर रहे है उपवास जिसमे कोई कोई 16 उपवास कोई 10 उपवास तो कोई पांच से अधिक उपवास कर रहा है जिसमें 16 उपवास धारक में अजित लालावत,राजेंद्र पारसोलिया,बदामीलाल धिरावत, श्रीमती निकिता पारसोलिया, श्रीमती प्रभादेवी पंचोरी,श्रीमती विनोद देवी लालावत एवं अनूप जोदावत का नौवां उपवास था और भी लगभग 200 लोगों ने लागातार पांच से अधिक उपवास किये है। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि विमल सागर महाराज ने कहा कि यह पर्व कर्म काटने के लिए आए है दस दिन में तो कुछ संयम का पालन करके लोग भक्ति, जाप, पूजा,उपवास कर लेते है लेकिन संयम की बात आती है तो पीछे रह जाते है संयम ही तीन लोक का नाथ बनाता है आदमी को जिन्होंने उपवास किए है हिम्मत का कार्य किया है 355 दिन असंयम में निकलता है व्यक्ति मूलनायक श्री वासुपूज्य भगवान का 1008 कलशो से महामस्तका अभिषेक होना चाहिए मोक्ष कल्याणक भगवान का ऐसा मनाना चाहिए की अलग ही आनंद आए आपकी दरिद्रता दूर हो अभिषेक करने से, अपने जीवन में शराब आदि नशे का सेवन नहीं करे, फास्ट फूड में मांस डला रहता है सुअर की चर्बी डलती है इनका त्याग करे, संकल्प से बंधने पर बड़े बड़े कार्य सिद्ध हो जाते है, मुनि अनंत सागर महाराज ने कहा कि इंद्रिय और मन पर लगाम लगाना संयम है, मन और इन्द्रियों के गुलाम है आप, संसारी प्राणी दिन रात खोटे कार्य में लगा है,आज संयम का दिन है, पल पल प्रसन्न रहे की हमने संयम धारण किया है।

भाग्यवान होते हैं वह मनुष्य जिन्हें मिलता है भागवत कथा श्रवण का अवसरः ठाकुर

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रीमद् भागवत कथा सुनने का सौभाग्य देवराज इन्द्र को भी नहीं मिल पाया, उस कथा का यदि एक चरण भी सुनने को मिल जाए तो मनुष्य को स्वयं को भाग्यवान मानना चाहिए। व्यास पीठ के समक्ष पांडाल में भागवत कथा श्रवण का अवसर करोड़ो जन्मों का पुण्य उदय होने पर ही मिलता है। जो यहां कथा सुनने नहीं आ पा रहे ये माने अभी उनके सद्कर्मों की कृपा नहीं हुई है। भागवत कथा श्रवण, संत दर्शन एवं सत्संग के लिए भगवान की कृपा जरूरी है इसके बिना अवसर नहीं मिलता। ये विचार परम पूज्य शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने रविवार दोपहर शहर के आरसी व्यास कॉलोनी स्थित मोदी ग्राउण्ड में विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए व्यक्त किए। पहले ही दिन तीव्र उमस ओर बारिश की परवाह किए बिना कथा श्रवण के लिए शहरवासियों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह देवरिया बालाजी से कथास्थल तक भव्य कलश शोभायात्रा के साथ आयोजन का आगाज हुआ। व्यास पीठ पर भागवत स्थापित होने और उसकी विधिवत पूजा के बाद कथावाचक ठाकुरजी ने विशालकाय भव्य डोम में मौजूद श्रद्धालुओं को भागवत श्रवण का महत्व समझाया और पहले दिन श्रीमद् भागवत महात्मयम्, व्यास नारद संवाद, कुंती स्तुति प्रसंगों पर चर्चा की। मंच पर हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा आदि संतों का सानिध्य भी रहा। कथावाचक श्रीदेवकीनंदन ठाकुर ने विश्व शांति की कामना के साथ श्रीमद् भागवत कथा का वाचन शुरू किया। इसके लिए शांति मंत्र ह्यसुखी हो संसार में सब